कार्ल एरिक मुलर के लिथोग्राफ

स्रोत: पी.आई.बी

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (Indira Gandhi National Centre for the Arts- IGNCA) के **संरक्षण और अभिलेखागार प्रभाग** ने **अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस (2 मई)** के अवसर पर **'पीपल एंड प्लेसेज़ ऑफ इंडिया- ए रेट्रोस्पेक्ट'** नामक प्रदर्शनी का आयोजन किया।

- प्रदर्शनी में IGNCA अभिलेखागार से **जर्मन कलाकार कार्ल एरिक मुलर** के लिथोग्राफ प्रदर्शित किये गए।
- मुलर की ये कृतियाँ **1970 के दशक** में रोज़मर्रा की जिंदगी के विभिन्न पहलुओं को दर्शाती हैं जिनमें मजदूर, परिवहन श्रमिक, कारखाने के कर्मचारी और अपने प्राकृतिक वातावरण में मछुआरे शामिल हैं।
- मुलर की कृतियाँ **IGNCA, NGMA (नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट)** और भारत कला भवन में रखी गई हैं।
- अपने लिथोग्राफ में उन्होंने सामान्य जीवन के सार को समाहित किया तथा इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी अभिव्यक्तियों को पर्याप्त संसाधनों की आवश्यकता नहीं होती ।
- **IGNCA** की **स्थापना वर्ष 1987** में **संस्कृति मंत्रालय** के तहत एक स्वायत्त संस्थान के रूप में की गई थी।
    - इसे **कला के क्षेत्र** में अनुसंधान, अकादमिक खोज और प्रसार केंद्र के रूप में स्थापित किया गया था।

और पढ़ें: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lithographs-of-karl-erich-muller